DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

28 May, 2024

सेंसेक्स की कार्यप्रणाली

संदर्भ: *अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईज़ेड) 24 जून को विप्रो की जगह लेने के बाद सेंसेक्स में शामिल होने वाली पहली अडाणी समूह की कंपनी होगी।*

➢ बीएसई सेंसेक्स क्या है?

- इसकी शुरुआत वर्ष 1986 में हुई थी। सेंसेक्स भारत में सबसे पुराना और सबसे अधिक ट्रैक किया जाने वाला इंडेक्स है।
- बीएसई लिमिटेड, प्रमुख क्षेत्रों की 30 सबसे बड़ी और वित्तीय रूप से मजबूत कंपनियों के प्रदर्शन को मापता है।
- इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और आईटीसी लिमिटेड जैसी कंपनियां शामिल हैं।
- याह भारतीय इक्विटी बाज़ार का प्रतिनिधित्व करता है।
- केवल 30 शेयरों से युक्त होने के बावजूद, यह सेंसेक्स निवेशकों के निर्णयों को व्यापक रूप से प्रभावित करता है।
- विगत 24 मई तक बीएसई-सूचीबद्ध फर्मों का कुल बाजार पूंजीकरण 419.99 लाख करोड़ रुपये था।

➢ सेंसेक्स और निफ्टी के बीच तुलना

- दोनों ही घरेलू बाजार के प्रदर्शन को मापने के उपकरण हैं।
- बीएसई सेंसेक्स 30 शेयरों को ट्रैक करता है; जबकि निफ्टी 50 शेयरों को ट्रैक करता है।
- निफ्टी नवंबर 1995 में आरम्भ होने वाला एक व्यापक सूचकांक है, जिसमें अडाणी एंटरप्राइजेज, बजाज फाइनेंस और कोल इंडिया जैसी कंपनियां शामिल हैं।
- 24 मई तक एनएसई फर्मों का बाजार पूंजीकरण 416.04 लाख करोड़ रुपये था।

➢ सेंसेक्स के लिए कंपनी चयन मानदंड:

- **सूचीकरण का इतिहास:** बीएसई में कम से कम छह महीने का सूचीबद्ध रिकार्ड होना चाहिए और इस अवधि के दौरान प्रत्येक ट्रेडिंग दिन पर कारोबार कियाजाना चाहिए।
- **व्युत्पन्न अनुबंध:** इसके लिए एक व्युत्पन्न अनुबंध होना चाहिए।
- **मार्केट कैप:** औसत तीन महीने के फ्लोट या कुल मार्केट कैप के आधार पर शीर्ष 75 कंपनियों में से, न्यूनतम 0.50% के साथ फ्री-फ्लोट मार्केट कैप होना चाहिए।
- **तरलता:** तीन महीने के औसत दैनिक कारोबार मूल्य (एडीवीटी) के संचयी भार की गणना की जाती है, और 98% से अधिक कुल एडीवीटी भार वाले किसी भी संभावित घटक को बाहर रखा जाता है।
- सेंसेक्स का पुनर्गठन प्रत्येक वर्ष जून और दिसंबर में किया जाता है।

PRIMARY VS. SECONDARY MARKET

Basis	Primary Market	Secondary Market
Meaning	Offers security for the first time.	Offers trading of already issued securities
Another name	New issue market (NIM).	Aftermarket or share market.
Type of product	Mainly include IPO and FPO	Shares, warrants, derivatives and more.
Purchase type	Direct Purchases from Co.	Trading between Investors.
Frequency of selling	Once	As many as possible
Parties involved	Company and the investors.	investors buy and sell among themselves.
Beneficiary	Company	Investor
How to identify investment?	Investors primarily rely on prospectus and word-of-mouth publicity.	Several tools such as price to earnings (P/E), price to book (P/B), price to sales (P/S) and more.
Intermediary	Underwriters	Brokers.
Purpose	To raise capital for expansion and diversification, etc.	Trading and thereby availing Liquidity to Investors.
Price	The company sells the shares to the investors at a fixed price.	Demand Supply discovers the price.
Presence	No organization set up.	Geographical setup and organizational presence.
Rules and Regulations	The company issuing securities goes through a lot of regulation and due diligence.	Investors and brokers follows the rules set by the exchange and the governing agencies.

शून्य मलबा चार्टर

संदर्भ: *हाल ही में बारह देशों ने वर्ष 2030 तक अंतरिक्ष गतिविधियों को मलबे से तटस्थ बनाने के लिए ईएसए/ईयू अंतरिक्ष परिषद में जीरो डेब्रिस चार्टर पर हस्ताक्षर किए हैं।*

- **उद्देश्य**: अंतरिक्ष मामलों पर वैश्विक सहमति को आकार देने के लिए वैश्विक अंतरिक्ष समुदाय द्वारा इसे मलबे के नियंत्रण हेतु तैयार किया गया।
- **लक्ष्य**: वर्ष 2030 तक अंतरिक्ष को मलबा तटस्थ बनाने का लक्ष्य है।
- **आरम्भ:** नवंबर 2023 में सेविले में ईएसए अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन में इसका अनावरण किया था।
- **सीमा:** महत्वाकांक्षी और मापने योग्य अंतरिक्ष मलबे शमन और उसके उपचार लक्ष्य निर्धारित करने के लिए अंतरिक्ष संस्थाओं की एकजुटता पर जोर देता है।
- **प्रतिभागी:** ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, साइप्रस, एस्टोनिया, जर्मनी, लिथुआनिया, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्वीडन और यूनाइटेड किंगडम और एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईजीओ) के रूप में यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी।
- **केसलर सिंड्रोम:** एक संभावित परिदृश्य जहां एक उपग्रह का मलबा दूसरे उपग्रह को प्रभावित करता है, जिससे एक श्रृंखला प्रतिक्रिया होती है जो निम्न पृथ्वी कक्षा (एलईओ) में सभी परिक्रमा करने वाली वस्तुओं को नष्ट कर सकती है और तेजी से बढ़ते मलबे का एक घना बादल बना सकती है।

➢ अंतरिक्ष का मलबा/कचरा

- **परिभाषा:** पृथ्वी की कक्षा में या पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश करने वाली गैर-कार्यात्मक, कृत्रिम वस्तुएं, जिनमें अनावश्यक धातु के टुकड़े भी शामिल हैं।
- **ट्रैकिंग**: रडार और ऑप्टिकल डिटेक्टरों द्वारा इसकी ट्रैकिंग की जाती है।
- **मात्रा:** ईएसए का अनुमान है कि पृथ्वी की कक्षा में दस लाख से अधिक टुकड़े बिखरे हैं, जिनमें से प्रत्येक पृथ्वी को भयावह क्षति पहुंचाने में सक्षम है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **जोखिम:** उपयुक्त निस्तारण के बिना, मलबे की बढ़ती मात्रा उपग्रहों और अंतरिक्ष यात्रियों के लिए बढ़ते खतरे उत्पन्न करती है, जिससे संभावित रूप से कुछ कक्षाएँ अनुपयोगी हो जाती हैं।

➢ **अंतरिक्ष मलबे को कम करने के लिए भारत के प्रयास:**

- **वर्ष 2030 तक मलबा-मुक्त अंतरिक्ष मिशन (डीएफएसएम):** इसरो का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है, कि भविष्य के मिशनों को उन्नत प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं का उपयोग करके 2030 तक मलबा-मुक्त बनाया जाए।
- **सुरक्षित और टिकाऊ अंतरिक्ष संचालन प्रबंधन प्रणाली (IS4OM):** बेहतर ट्रैकिंग और प्रबंधन के माध्यम से अंतरिक्ष संचालन की सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाता है।
- **प्रोजेक्ट नेत्र:** अंतरिक्ष वस्तुओं पर नज़र रखने और उनका विश्लेषण करने, टकराव से बचने और मलबे को कम करने के लिए महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करने के लिए इसरो की पहल।
- **स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस कंट्रोल सेंटर (एसएसएसीसी):** निष्क्रिय उपग्रहों, परिक्रमा करने वाली वस्तुओं और निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रहों के साथ टकराव से इसरो की संपत्ति की रक्षा करता है।
- **शून्य कचरा/मलबा:** इसरो के PSLV-C58/XPoSat मिशन ने पृथ्वी की कक्षा में शून्य मलबा उत्सर्जित किया है।

➢ **शून्य मलबे को कम करने के अंतर्राष्ट्रीय प्रयास**

- **विनियम:** LEO में मलबे के लिए कोई विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय कानून नहीं है; वर्ष 2007 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा समर्थित अंतरिक्ष मलबा शमन दिशानिर्देश 2002 का अनुपालन किया जा रहा है।
- **विभिन्न अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा प्रयास:**
- **यूएसए:** वर्ष 1979 से नासा का कक्षीय मलबा कार्यक्रम संचालित है।
- **जापान:** मलबे के प्रदर्शन का वाणिज्यिक निष्कासन (सीआरडी2) किया जा रहा है।
- **चीन:** सौर पैनल वाले अंतरिक्ष यान के माध्यम से मलबा हटाने की कोशिश की जा रही है।

प्लैनेट (ग्रहीय) परेड 2024

संदर्भ: वर्तमान में छह ग्रह एक दुर्लभ ब्रह्मांडीय घटना के लिए संरेखित हो रहे हैं, जिसे ग्रह परेड के रूप में जाना जाता है, जो 3 जून को सभी खगोलीय प्रेक्षकों को मोहित करने के लिए तैयार है।

➢ **ग्रहीय संरेखण क्या है ?**

- **परिभाषा:** सौर मंडल में ग्रहों की एक दुर्लभ स्थिति जहां वे एक सीधी रेखा में दिखाई देते हैं।
- **आभासी/भ्रम:** यह घटना वास्तविक परिप्रेक्ष्य से अधिक एक भ्रम है, जो पृथ्वी के दृष्टिकोण से संरेखण की उपस्थिति उत्पन्न करती है।
- **संयोजन:** नासा आकाश में ग्रहों के एक-दूसरे के करीब आने की घटना को संयोजन के रूप में संदर्भित करता है।
- **संरेखण:** जब सभी ग्रह एक सीधी रेखा में सूर्य के निकट दिखाई देते हैं, तो इसे संरेखण कहा जाता है।
- **संरेखण में शामिल ग्रह:** संरेखण में बुध, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून शामिल हैं।
- **दृश्य संरेखण:** संरेखण एक दृश्य घटना है, कोई वास्तविक कक्षीय संरेखण नहीं।

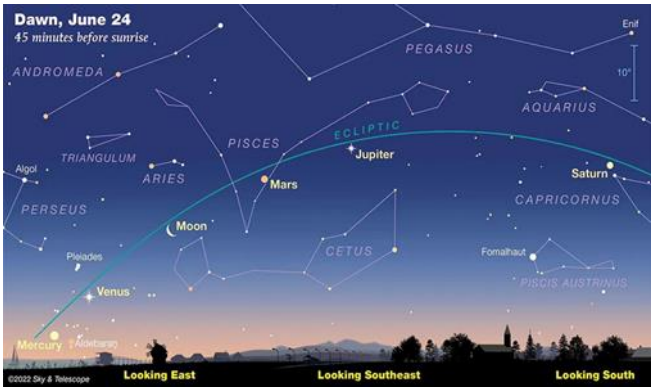

➢ **प्लैनेट परेड क्यों हो रही है?**

- **प्राकृतिक घटना:** सूर्य के चारों ओर ग्रहों की अण्डाकार कक्षाएँ उन्हें पृथ्वी के परिप्रेक्ष्य से संरेखित दिखाई देती हैं।
- **विशेष घटना:** दो या तीन ग्रहों की अक्सर होने वाली संरेखण की तुलना में छह ग्रहों का संरेखण दुर्लभ और उल्लेखनीय है।
- **उपस्थिति:** हालाँकि सभी ग्रह पूरी तरह से संरेखित नहीं होंगे, लेकिन एक सीधी रेखा में दिखाई देंगे, अपनी स्थिति के कारण कुछ ग्रह थोड़ा ऊपर या कुछ नीचे होंगे।

➢ **अतिरिक्त जानकारी**

- **ऑरोरा बोरेलिस दृश्यता**: हाल ही में भारत के कुछ हिस्सों सहित दुनिया भर में दिखाई दे रही है।
- **सोलर फ्लेयर्स और ऑरोरास**: इसरो के अनुसार, चंद्रयान-2 ऑर्बिटर और आदित्य-एल1 द्वारा इसे कैप्चर किया गया है।
- **अवलोकन के लिए उपकरण:** एक ऐप स्टारवॉक विशिष्ट स्थानों पर ग्रह परेड को देखने में मदद करता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

विवेकानन्द रॉक मेमोरियल

हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने विवेकानन्द रॉक मेमोरियल में ध्यान करने के लिए 30 मई से कन्याकुमारी की अपनी दो दिवसीय यात्रा की घोषणा की।

विवेकानन्द रॉक मेमोरियल के बारे में:

- विवेकानन्द रॉक मेमोरियल भारतीय उपमहाद्वीप के सबसे दक्षिणी सिरे पर, कन्याकुमारी, तमिलनाडु के तट पर एक छोटे चट्टानी द्वीप पर स्थित है।
- इस स्मारक का उद्घाटन 1970 में किया गया था और इसे भारत के सबसे सम्मानित आध्यात्मिक नेताओं और दार्शनिकों में से एक स्वामी विवेकानन्द के सम्मान में बनाया गया था।
- यह दिसंबर 1892 में स्वामी विवेकानंद की उस यात्रा की याद दिलाता है, जहां उन्होंने 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में भाग लेने से पहले ध्यान किया था और ज्ञान प्राप्त किया था।
- **स्मारक में दो मुख्य संरचनाएँ हैं:** विवेकानन्द मंडपम, जिसमें एक ध्यान कक्ष (ध्यान मंडपम) और एक सभा कक्ष (सभा मंडपम) शामिल है और श्रीपाद मंडपम, देवी के पदचिह्न को चिह्नित करता है, जिसके बारे में माना जाता है कि देवी ने चट्टान को आशीर्वाद दिया था।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

28 May, 2024

कृष्णा नदी

विजयवाड़ा में प्रकाशम बैराज से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बाद मछुआरे कृष्णा नदी में मछली पकड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

कृष्णा नदी के बारे में:

- कृष्णा नदी महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट में महाबलेश्वर क्षेत्र से निकलती है।
- यह बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश राज्यों से होकर प्रवाहित होती है।
- यह प्रायद्वीप की पूर्व की ओर बहने वाली दूसरी सबसे बड़ी नदी है।
- कृष्णा नदी की प्रमुख दाहिने किनारे की सहायक नदियों में वेन्ना, कोयना, पंचगंगा, दूधगंगा, घाटप्रभा, मालाप्रभा और तुंगभद्रा शामिल हैं, जबकि प्रमुख बाएं किनारे की सहायक नदियों में भीमा, डिंडी, पेद्दावागु, हलिया, मुसी, पलेरु और मुनेरु शामिल हैं।
- कृष्णा नदी पर कई महत्वपूर्ण बांध और जलाशय बनाए गए हैं, जिनमें नागार्जुन सागर बांध (दुनिया के सबसे बड़े चिनाई वाले बांधों में से एक), श्रीशैलम बांध और अलमाटी बांध शामिल हैं।
- महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के बीच जल-बंटवारा विवादों को हल करने के लिए कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण (KWDT) का गठन किया गया है।

कार्बन फाइबर

हाल ही में, उपराष्ट्रपति ने बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रयोगशाला (NAL) के दौरे के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए तकनीकी विकास के रणनीतिक महत्व पर बल दिया, जहां उन्होंने कार्बन फाइबर और प्रीप्रेग्स केंद्र की आधारशिला रखी।

कार्बन फाइबर के बारे में:

- कार्बन फाइबर हल्का और मजबूत पदार्थ है जो कसकर बुने गए कार्बन परमाणु स्ट्रैंड से बना होता है जिसमें कई असाधारण यांत्रिक गुण होते हैं।
- इसे ग्रेफाइट फाइबर के रूप में भी जाना जाता है और यह बहुलक है।
- इसमें उच्च तन्यता शक्ति, कठोरता, कम घनत्व, उच्च रासायनिक प्रतिरोध, उच्च तापमान सहनशीलता, विद्युत चालकता और कम तापीय विस्तार होता है।
- इसका उपयोग एयरोस्पेस, ऑटोमोटिव, खेल के सामान, सिविल इंजीनियरिंग और सेना सहित कई उद्योगों में किया जाता है।
- इसे अक्सर अन्य सामग्रियों के साथ मिलाकर एक यौगिक बनाया जाता है, जैसे कि कार्बन-फाइबर-प्रबलित पॉलिमर, जो बहुत कठोर होता है।
- यह कांच, बेसाल्ट या प्लास्टिक जैसे समान फाइबर से अधिक महंगा है।
- धातुओं के संपर्क में आने पर यह गैल्वेनिक क्षरण का कारण भी बन सकता है।

विश्व ढोल दिवस

ढोल के बारे में:

- ढोल (कुओन एल्पिनस) को एशियाई जंगली कुत्ते या भारतीय जंगली कुत्ते के रूप में भी जाना जाता है।
- वे वन पारिस्थितिकी प्रणालियों में शीर्ष शिकारी हैं और आनुवंशिक रूप से अफ्रीकी जंगली कुत्तों के समान हैं।
- कन्नड़ में, उन्हें 'थोला' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'भेड़िया।'
- वे पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट, मध्य भारत और पूर्वोत्तर भारत के जंगलों में पाए जाते हैं।
- वे घने जंगलों और घास के मैदानों को पसंद करते हैं लेकिन कॉफी और चाय के बागानों जैसे कृषि वनों में भी रह सकते हैं।
- वे दुबले-पतले होते हैं, उनके भूरे फर, काली झाड़ीदार पूंछ, एम्बर आँखें और सीधे, गोल कान होते हैं।
- ढोल IUCN सूची में लुप्तप्राय हैं और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची II के तहत संरक्षित हैं।
- पहला ढोल संरक्षण प्रजनन केंद्र 2014 में विशाखापत्तनम के इंदिरा गांधी प्राणी उद्यान में स्थापित किया गया था।

सुर्खियों में व्यक्तित्व
विनायक दामोदर सावरकर

आज भारत के प्रधानमंत्री ने महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

विनायक दामोदर सावरकर (28 मई 1883-26 फरवरी 1966)

भारतीय राजनीतिज्ञ, स्वतंत्रता सेनानी और लेखक विनायक दामोदर सावरकर का जन्म महाराष्ट्र में नासिक के पास भागुर गाँव में हुआ था।

योगदान:

- 1904 में विनायक दामोदर सावरकर और उनके भाई गणेश दामोदर सावरकर द्वारा स्थापित, अभिनव भारत सोसाइटी का उद्देश्य क्रांतिकारी गतिविधियों को बढ़ावा देना था।
- सावरकर 1905 में लंदन में श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा स्थापित इंडिया हाउस से जुड़े थे, जिसका उद्देश्य विदेशों में भारतीय छात्रों के बीच राष्ट्रवादी भावनाओं को बढ़ावा देना था।
- 1906 में लंदन में सावरकर द्वारा स्थापित, फ्री इंडिया सोसाइटी इतालवी राष्ट्रवादी ग्यूसेप माज़िनी के आदर्शों से प्रेरित थी।
- वीर सावरकर ने कई प्रभावशाली रचनाएँ लिखीं, जिनमें "जोसेफ मैज़िनी - जीवनी और राजनीति" और "द इंडियन वॉर ऑफ़ इंडिपेंडेंस (1857 के भारतीय विद्रोह के बारे में)" शामिल हैं।

सम्मान:

- उनके योगदान को देखते हुए, अंडमान और निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेयर के हवाई अड्डे का नाम वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा रखा गया।
- नैतिक मूल्य: ईमानदारी, देशभक्ति, नेतृत्व, साहस, आदि।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

पापुआ न्यू गिनी

हाल ही में, पापुआ न्यू गिनी सरकार के एक अधिकारी ने संयुक्त राष्ट्र को सूचित किया और औपचारिक रूप से विनाशकारी भूस्खलन के लिए अंतरराष्ट्रीय मदद मांगी, जिसमें 2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गए।

पापुआ न्यू गिनी (राजधानी: पोर्ट मोरेस्बी)

अवस्थिति : पापुआ न्यू गिनी एक द्वीप देश है जो दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर में कोरल सागर और दक्षिण प्रशांत महासागर के बीच स्थित है।

सीमाएँ: पापुआ न्यू गिनी की सीमा सोलोमन द्वीप (पूर्व), इंडोनेशिया (पश्चिम) और ऑस्ट्रेलिया (दक्षिण) से लगती है।

भौतिक विशेषताएं:

- सेपिक नदी न्यू गिनी द्वीप पर सबसे लंबी नदी है और अपवाह क्षेत्र के हिसाब से ओशिनिया में दूसरी सबसे बड़ी नदी है।
- माउंट विल्हेम, बिस्मार्क रेंज में स्थित, पापुआ न्यू गिनी की सबसे ऊंची चोटी है।
- देश में 60% सक्रिय ज्वालामुखी हैं।
- पापुआ न्यू गिनी की जलवायु उष्णकटिबंधीय है।
- देश में सोना, तांबा, चांदी, निकल और कोबाल्ट सहित कई खनिज हैं।

POINTS TO PONDER

- किस देश ने दुनिया का पहला 100% बायोडिग्रेडेबल पेन पेश किया? – **भारत**
- राजस्थान के राष्ट्रीय मारू उद्यान में वार्षिक वाटरहोल सर्वेक्षण के दौरान कितने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड दर्ज किए गए? – **64**
- हाल ही में चर्चा में रहा ग्लिसे 12 बी कौन सा खगोलीय पिंड है? – **पृथ्वी के आकार का एक्सोप्लैनेट**
- प्रत्येक वर्ष 'विश्व थायराइड दिवस' किस तारीख को मनाया जाता है? – **25 मई**
- हाल ही में समाचारों में रहा सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व किस राज्य में स्थिरत है? – **तमिलनाडु**